RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 105
दि. 13.08.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के बिगड़े बोल, सिंधु नदी के पानी को रोकने पर भारत को दी कड़ी गीदड़भभकी, क्या कहा?

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत को एक बार फिर गीदड़भभकी दी है। उन्होंने इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अगर भारत सिंधु नदी का पानी रोकने की कोशिश करता है तो उसे पाकिस्तान की एक बूंद पानी भी नहीं मिलेगी।

यह बयान ऐसे वक्त आया है जब भारत-पाकिस्तान के बीच जल विवाद चरम पर है। इससे पहले पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भी भारत को पानी के बांध न बनाने की गीदड़भभकी दी थी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड को संबोधित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज एक वीडियो संदेश के माध्यम से खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड को संबोधित किया। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री ने 64 देशों के 300 से अधिक प्रतिभागियों के साथ जुड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड के लिए भारत में प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत में परंपरा का मिलन नवाचार से होता है, आध्यात्मिकता का विज्ञान से और जिज्ञासा का संबंध रचनात्मकता से होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सदियों से, भारतीय आसमान को निहारते रहे हैं और बड़े प्रश्न पूछते रहे हैं।" उन्होंने आर्यभट्ट का उदाहरण दिया, जिन्होंने 5वीं शताब्दी में शून्य का आविष्कार किया था और यह बताने वाले पहले व्यक्ति थे कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है। प्रधानमंत्री ने कहा, "सचमुच, उन्होंने शून्य से शुरूआत की और इतिहास रच दिया!"

श्री मोदी ने कहा कि भारत की लद्दाख में दुनिया की सबसे ऊंची खगोलीय वेधशालाओं में से एक वेधशाला मौजूद है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह समुद्र तल से 4,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह वेधशाला सितारों के साथ हाथ मिलाने के लिए बहुत निकट है।" उन्होंने पुणे में विशालकाय मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप का उल्लेख करते हुए इसे दुनिया के सबसे संवेदनशील रेडियो टेलीस्कोप में से एक बताया, जो पल्सर, क्वासर और आकाशगंगाओं के रहस्यों को डिकोड करने में सहायता करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत गर्व से स्क्वायर किलोमीटर एरे और लिगो-इंडिया जैसी वैश्विक मेगा-विज्ञान परियोजनाओं में योगदान देता है। उन्होंने याद किया कि दो वर्ष पहले, चंद्रयान -3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला मिशन बनकर इतिहास रचा था। श्री मोदी ने कहा कि भारत ने आदित्य-एल1 सौर वेधशाला के साथ सूर्य पर अपनी दृष्टि भी स्थापित की है, जो सौर फ्लेयर्स, तूफान और सूर्य के मिजाज की निगरानी करता है। उन्होंने बताया कि पिछले महीने, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपना ऐतिहासिक मिशन पूरा किया, इसे सभी भारतीयों के लिए गर्व का क्षण और युवा अन्वेषकों के लिए प्रेरणा बताया।

आज 24 घंटे नॉनस्टॉप चलेगा यूपी विधानसभा का सत्र, योगी सरकार ने जारी किया मंत्रियों का रोस्टर

लखनऊ, (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र का तीसरा दिन आज ऐतिहासिक होने जा रहा है. आज 24 घंटे चलने वाले सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे से शुरू होगी और कल सुबह 11 बजे तक नॉनस्टॉप जारी रहेगी.

इस दौरान विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 विजन डॉक्यूमेंट पर विशेष चर्चा होगी, जो करीब 17 से 18 घंटे लगातार चलेगी. विजन डॉक्यूमेंट के जरिए योगी सरकार प्रदेश के विकास को लेकर अपना विजन पेश करेगी. सरकार की तरफ से विधानसभा में 28 और विधान परिषद में 18 मंत्री बोलेंगे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल चौथे दिन सदन को विजन डॉक्यूमेंट 2047 के मुद्दे पर संबोधित करेंगे.

सदन में हर समय मंत्रियों की अनिवार्य मौजूदगी के लिए 28 मंत्रियों का रोस्टर तैयार किया गया है, जो आज शाम 6 बजे से कल सुबह 11 बजे तक लागू रहेगा. शाम 6 बजे से गुरुवार सुबह 11 बजे तक का समय छह शिफ्ट में बांटा गया है, जिसमें सिर्फ एक शिफ्ट दो घंटे की और बाकी शिफ्ट तीन-तीन घंटे की होंगी.

योगी सरकार मंत्रियों में इन मंत्रियों को हर समय सदन में रहने का निर्देश दिया गया है:

बुधवार शाम 6 से रात 9 बजे तक - लक्ष्मी नारायण चौधरी, राकेश सचान, नितिन अग्रवाल, विजय लक्ष्मी गौतम

रात 9 से 12 बजे तक - योगेंद्र उपाध्याय, कपिल देव अग्रवाल, सतीश चंद्र शर्मा

रात 12 से तड़के 3 बजे तक - अनिल कुमार, दयाशंकर सिंह, दयाशंकर मित्र दयालु, बृजेश सिंह

तड़के 3 से सुबह 6 बजे तक - अनिल राजभर, गिरीश चंद्र यादव, बलदेव सिंह औलख, दिनेश खटिक, संजीव गोंड, रामकेश निषाद, मनोहर लाल मन्नू कोरी, केपी मलिक

गुरुवार सुबह 6 से 9 बजे तक - जयवीर सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, संदीप सिंह, रवींद्र जायसवाल, सोमेंद्र तोमर

हर घर तिरंगा: दिल्ली में सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र की तिरंगा यात्रा ने जगाई देशभक्ति की अलख

(जीएनएस)।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (उउफ्ळ), नई दिल्ली ने राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। इस आयोजन ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश प्रसारित किया, जिसने दिल्ली की सड़कों को तिरंगे के रंग में रंग दिया। इस कार्यक्रम में तिरंगा यात्रा सुबह 10 बजे गणपति चौक से राम फल चौक तक आयोजित की गई जिसमें 2000 से अधिक बच्चों ने तिरंगा थामकर जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कई प्रसिद्ध इन्फ्लुएंसर्स ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत कर इसे और प्रभावशाली बनाया।

तिरंगा यात्रा के पश्चात उउफ्ळ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। इन कार्यक्रमों में बुंदेलखंड की प्रख्यात गायिका कविता शर्मा ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। राजस्थान के पारंपरिक कालबेलिया नृत्य ने सांस्कृतिक समृद्धि को दशार्या, वहीं पंजाब का भांगड़ा नृत्य ने दर्शकों में जोश भर दिया।

इन प्रस्तुतियों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता को उजागर करते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना को और सशक्त किया।आयोजन के दौरान हर घर तिरंगा सेल्फी बूथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जहां बच्चों, युवाओं और अन्य नागरिकों ने तिरंगे के साथ उत्साहपूर्वक सेल्फी लीं। यह बूथ देशभक्ति की भावना को और प्रबल करने में महत्वपूर्ण रहा।

इसके अतिरिक्त, देशभक्ति से प्रेरित गायन और नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। उउफ्ळ का यह आयोजन न केवल तिरंगे के प्रति सम्मान और गर्व को बढ़ाने वाला था, बल्कि इसने युवाओं में राष्ट्रीय एकता और देशप्रेम की भावना को जागृत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को एक मंच पर लाने में सफल रहा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत उउफ्ळ का यह प्रयास देशवासियों को एकजुट कर तिरंगे के गौरव को और ऊंचा उठाने में मील का पत्थर साबित हुआ।

'स्वामित्व' (सर्वे विलेज एंड मैपिंग विद इम्प्रोवाइज्ड टेक्नोलॉजी इन विलेज एरियाज) योजना की सफलता की गाथा नागरिकों को अपने भाग्य का स्वामी बनने के लिए सशक्त बनाती है: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि स्वामित्व (सर्वे विलेज एंड मैपिंग विद इम्प्रोवाइज्ड टेक्नोलॉजी इन विलेज एरियाज) योजना जैसी सफलता की गाथाओं ने नागरिकों को अपने भाग्य का स्वामी बना दिया है, जिससे राजस्व अधिकारियों और पटवारियों की दया पर दशकों की निर्भरता समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम नागरिक-केंद्रित शासन के एक वैश्विक मॉडल के रूप में उभरा है, जो नागरिकों द्वारा स्वयं भूमि का मानचित्रण करने में सक्षम बनाता है और अन्य देशों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने संसद भवन में "भारतीय सर्वेक्षण विभाग" की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति 2022 को एक परिवर्तनकारी कदम बताया, जिसने भू-स्थानिक डेटा का लोकतंत्रीकरण किया है। इस पहल से सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में व्यापक पहुंच और उपयोगिता संभव हुई है। उन्होंने बताया कि भारत के महापंजीयक के सहयोग से सीमाओं का सामंजस्य स्थापित करने का कार्य पूरा हो चुका है - जो हाल के वर्षों में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के परिवर्तन में एक मील का पत्थर है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि सर्वे ऑफ इंडिया की तकनीकी विशेषज्ञता कई प्रमुख योजनाओं का आधार है, जिनमें स्वामित्व योजना, अमृत मिशन, स्मार्ट सिटीज, डिजिटल ट्विन मिशन और नक्शा योजना शामिल हैं।

उन्होंने प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग को एकीकृत करने, अन्य विज्ञान व सरकारी विभागों के साथ तालमेल बनाने तथा यह सुनिश्चित करने की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की कि वे विभाग की विश्वस्तरीय सुविधाओं का पूर्ण उपयोग कर सकें।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने तकनीकी प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उच्च सटीकता वाले डिजिटल एलिवेशन मॉडल (डीईएम) के विकास का हवाला दिया, जो मानचित्र निमार्ता से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए भू-स्थानिक सक्षमकर्ता बनने की दिशा में एक बदलाव है। उन्होंने मंत्रालयों के साथ विभाग की सक्रिय भागीदारी, साथ ही सतत संचालन संदर्भ केंद्रों (सीओआरएस) की स्थापना और राज्य, जिला एवं तालुका स्तर पर एक भूगणितीय संपत्ति रजिस्टर के निर्माण की सराहना की। तहसीलदारों को उपलब्ध कराए जाने वाले ये रजिस्टर नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को बहुत आसान बना देंगे।

केंद्रीय मंत्री ने विभाग को भारतीय सर्वेक्षण विभाग की विशाल क्षमताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए

आईएसएलआरटीसी ने सीओडीए और एसओडीए के लिए आरपीएल-सीआईएसएलआई प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया

भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी) ने विशेष रूप से सीओडीए (बधिर वयस्कों के बच्चे) और एसओडीए (बधिर वयस्कों के भाई-बहन) के लिए 15 दिवसीय आरपीएल - आईएसएल व्याख्या में प्रमाणन (सीआईएसएलआई) प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। सुश्री ऋचा शंकर, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की उप महानिदेशक ने आईएसएलआरटीसी, नई दिल्ली में इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग में जागरूकता, सामान्य एवं प्रचार (एजीपी) योजनाओं के उप सचिव श्री जसबीर सिंह उपस्थित हुए।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में आधार-आधारित भुगतान प्रणाली, 99.65% आधार सीडिंग का काम पूरा

(जीएनएस)।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा) के अंतर्गत लाभार्थियों को समय पर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और लाभार्थियों की बैंक खाता संख्या में बार-बार होने वाले बदलाव और उसके बाद उसे अपडेट न करने से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान हेतु, आधार भुगतान ब्रिज प्रणाली (एपीबीएस) लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसे 1 जनवरी 2024 से अनिवार्य कर दिया गया है।

एपीबीएस से योजना के तहत मजदूरी वितरण की पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार करने और लाभार्थियों के खाते में मजदूरी का ट वरित रूप से जमा होना सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। आधार प्रमाणीकरण भी धन को गलत हाथों में जाने से रोकता और भ्रष्टाचार को कम करता है और यह सुनिश्चित करता है कि मजदूरी केवल सत्यापित पहचान वाले वैध लाभार्थियों को ही प्राप्त हो। एपीबीएस के माध्यम से भुगतान में विफलता की स्थिति में, खाता-आधारित भुगतान के माध्यम से भुगतान करने का एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध है जो नेशनल ऑटोमेटिड क्लियरिंग हाउस है। वर्तमान में, कुल 12.12 करोड़ सक्रिय श्रमिकों में से 99.65% आधार सीडिंग का काम पूरा हो चुका है। एनआरईजीए सॉफ्ट में 100% आधार सीडिंग और एपीबीएस रूपांतरण प्राप्त करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्य / केंद्र शासित प्रदेशों की निरंतर निगरानी

की जा रही है। जब भी कोई मुद्दा राज्य / केंद्र शासित प्रदेश या किसी अन्य हितधारक द्वारा चिह्नित किया जाता है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाता है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा) के अंतर्गत निगरानी और मूल्यांकन एक सतत प्रक्रिया है।

लोकसभा ने भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025 पारित किया, जिससे भारत के समुद्री भविष्य के लिए एक नए युग का सूत्रपात हुआ

एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में, लोकसभा ने भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025 पारित कर दिया, जिससे भारत के समुद्री भविष्य के लिए एक नए युग का सूत्रपात हुआ। यह अधिनियम भारत के बंदरगाह प्रशासन का आधुनिकीकरण करेगा, व्यापार में दक्षता बढ़ाएगा और वैश्विक समुद्री क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति को मजबूती प्रदान करेगा।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा, "यह विधेयक औपनिवेशिक काल के नियमों को प्रतिस्थापित करते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर, विश्वस्तरीय समुद्री क्षेत्र के विजन को प्रतिबिम्बित करता है।"

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस उत्सव पोरबंदर में : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में ध्वजारोहण समारोह आयोजित होगा

गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी मेहसाणा में तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य एवं कलेक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों पर ध्वज फहराएंगे

गांधीनगर, 12 अगस्त : भारत के स्वतंत्रता पर्व 15 अगस्त 2025 का राज्य स्तरीय उत्सव पोरबंदर में मनाया जाने वाला है। 15 अगस्त को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में पोरबंदर में ध्वजारोहण समारोह आयोजित होगा। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की विज्ञप्ति में बताया गया कि गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी मेहसाणा में तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य एवं कलेक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों पर ध्वज फहराएंगे।

15 अगस्त स्वतंत्रता पर्व 2025

-: राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य एवं कलेक्टर इन जिलों में ध्वज फहराएंगे

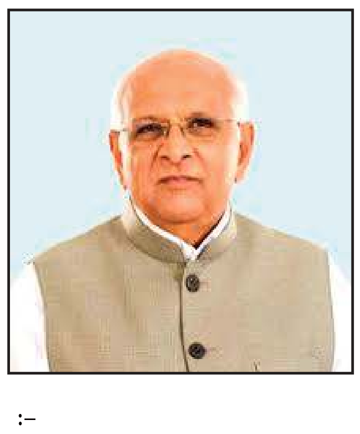

:-

केबिनेट मंत्री

1. श्री कनुभाई देसाई. नवसारी, 2. श्री ऋषिकेशभाई पटेल. साबरकाँठा, 3. श्री राघवजीभाई पटेल , जामनगर, 4 श्री बलवंतसिंह राजपूत वलसाड,. 5 श्री कुँवरजीभाई बावळियागीर सोमनाथ. 6 श्री मुळुभाई बेरा द्वारका, 7 डॉ. कुबेरभाई डिंडोर पंचमहाल. 8 श्रीमती भानुबेन बाबरिया राजकोट

विधानसभा उपाध्याक्ष

9 श्री जेठाभाई आहिर (भरवाड) महीसागर

राज्य मंत्री

10 श्री हर्ष संघवी गांधीनगर, 11 श्री जगदीश विश्वकर्मा, मोरबी, 12 श्री मुकेशभाई पटेल, भरूच. 13. श्री भीखूसिंहजी परमार, खेडा, 14 श्री कुँवरजीभाई हळपति तापी

इसके अतिरिक्त; शेष जिलों में सम्बद्ध जिला कलेक्टरों की अध्यक्षता में ध्वजारोहण समारोह आयोजित होगा।

सम्पादकीय

एलओपी ने लगाये चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

लोकसभा चुनाव के 14 माह बाद एसआईआर और वोट बंदी के मुद्दे पर विपक्ष एकजुट करने में सफल दिख रहा। भारत में राजनीति इस समय टॉप गीयर पर है। यह सही है कि भारत जैसे विशाल देश में चुनाव करवाना आसान नहीं है। यही नहीं भारत में इतने चुनाव होते हैं जो चुनाव आयोग की योग्यता के लिए चुनौती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत का चुनाव आयोग काफी हद तक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने में सफल रहा है। वोट करना हर वोटर का संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार है। यह भी जरूरी है कि उसका वोट उसे ही मिले जिसे उसने वोट दिया है। जब यह आशंका पैदा हो जाए कि उसका वोट दिया किसी को है और गया कहीं ओर तो बड़ा संदेह और निराशा पैदा हो जाती है।

किसी भी देश में लोकतंत्र की मजबूती-विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि उसमें सरकार को चुने जाने की प्रक्रिया कितनी स्वच्छ, स्वतंत्र और पारदर्शी है। इसके लिए चुनाव आयोजित कराने वाली संस्था को यह सुनिश्चित करना होता है कि कोई भी नागरिक वोट देने के अधिकार से वंचित न हो, मतदान की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तथा चुनाव में हिस्सेदारी करने वाले सभी दलों के लिए भरोसेमंद हो और नतीजों को लेकर सभी पक्ष संतुष्ट हों। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में कर्नाटक की एक विधानसभा क्षेत्र का डाटा पेश करते हुए आरोप लगाया है कि मतदाता सूची में हेरापेरी हुई है।

दस्तावेज का ढेर मीडिया के समक्ष दिखाते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि यह सूची चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध मतदाता सूची के ढेर से निकली है। उनका दावा है कि महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा मतों की चोरी हुर्ह है। संवाददाता सम्मेलन में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि लोकसभा चुनावों, महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली की गई। तथ्यों के साथ राहुल ने साबित करने की कोशिश की।

मतदाता सूची में हेर-पेर, फर्जी मतदाता, गलत पते, एक पते पर कई मतदाता, एक मतदाता का नाम कई जगह की सूची में होने जैसे वुछ खास तरीकों पर आधारित वोट चोरी करने के इस माडल को कई निर्वाचन क्षेत्रों में अमल में लाया गया ताकि भारतीय जनता पार्टी को फायदा मिल सके। हालांकि चुनाव गड़बिड़यां, ईवीएम में छेड़छाड़ की शिकायतें तो पहले भी आती रही हैं, लेकिन आमतौर पर वे किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकीं या फिर निर्वाचन आयोग की ओर से उन्हें निराधार घोषित किया जाता रहा है। अब इस बार जिस गंभीर स्वरूप में इस मामले को उठाया गया है, उसके बाद देशभर में यह बहस खड़ी हो गई है कि अगर इन आरोपों का मजबूत आधार है तो इससे एक तरह से समूची चुनाव प्रक्रिया की वैधता कठघरे में खड़ी होती है। इस मसले पर चुनाव आयोग ने फिलहाल कोई संतोषजनक जवाब देने के बजाए राहुल गांधी से शपथपत्र पर हस्ताक्षर कर शिकायत देने या फिर देश की जनता को गुमराह न करने को कहा है। मगर राहुल गांधी ने वोट चोरी का दावा करते हुए जिस तरह अपने आरोपों को सुबूतों पर आधारित बताया है।

उसके बाद चुनाव आयोग से उम्मीद की जाती है कि वह पूरी समूची प्रक्रिया पर भरोसे को बहाल रखने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ इस संबंध में उठे सवालों का जवाब सामने रखे। बहरहाल इस आरोप की गंभीरता को समझना आवश्यक है कि दो कमरों में क्रमश 80/46 लोग वैसे रह सकते हैं? इनमें तमाम मतदाताओं की तस्वीरें आकार में इतनी छोटी हैं कि पहचान करना मुश्किल है। इन आरोपों की पुष्टि आयोग को बगैर प्रत्यारोपों के करनी चाहिए। मतदाता सूचियों के प्रति आयोग जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। जो भी त्रुटियां सामने आती हैं उनके बारे में स्पष्टता से संतोषजनक जवाब देना चाहिए। सवाल आरोपों-प्रतिआरोपों का नहीं है। सवाल देश में संविधान की रक्षा का है जिसकी रक्षा तभी हो सकती है जब हर नागरिक को अपने वोट देने का अधिकार मिले और उसकी वोट उसे ही जाए जिसे वोट दिया गया है। हमारे लोकतंत्र की जड़ है स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी चुनाव मगर इसमें भी हेरापेरी होती है तो हमारे संविधान व लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होती हैं। उम्मीद है कि चुनाव आयोग प्रश्नों का संतोषजनक जवाब देगा और चुनावी प्रक्रिया को मजबूत और पारदर्शी बनाएगा।

व्यापार समझौते में विदेशी दबाव के बावजूद प्रधानमंत्री के मजबूत निर्णय के लिए किसान कृतज्ञ

देशभर के किसानों ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत निर्णय का आभार व्यक्त करते हुए समर्थन किया

किसानों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व को अतुलनीय बताया

सभी किसान संगठनों के प्रमुखों ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी एवं किसान हितैषी विचार का हृदय से स्वागत और पूर्ण समर्थन करते हैं

(जीएनएस)।

बड़ी संख्या में आज किसान संगठनों के प्रमुखों और देश के कोने-कोने से आए किसान भाइयों-बहनों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और सरकार के मजबूत कदम का स्वागत करते हुए धन्यवाद अर्पित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में किया गया था, जिसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट सहित विभिन्न राज्यों के किसान संगठनों के नेता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सर्वप्रथम देशभर से आए किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने संबोधित करते हुए एक स्वर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और सरकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा किसान हितैषी ऐतिहासिक कदम के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारतीय किसान संघ के श्री हरपाल सिंह डागर, श्री धर्मेंद्र मलिक,

श्री धर्मेंद्र चौधरी, श्री विरेंद्र लोहान, श्री किरपा सिंह नत्थूवाला, श्री कुलदीप सिंह बाजिदपुर, बाबा राजेंद्र सिंह मलिक, श्री तरूणेश शर्मा, श्री के पी सिंह ठैनुआ, आचार्य रामगोपाल वालिया, श्री विनोद आनंद, श्री राजकुमार बालियान, श्री विनोद आनंद, श्री अशोक बालियान, श्री विपिचंद्र आर. पटेल, श्री रामपाल जाट, श्री कृष्णवीर चौधरी, श्री भूपेंद्र सिंह मान, श्री के. साई रेड्डी ने बारी-बारी से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के निर्णय के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारतीय किसान चौधरी चरण सिंह संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र चौधरी ने कहा कि 'माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हित में अटल संकल्प वाला बयान दिया है। भारत किसी कीमत पर अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। ये घोषणा न केवल करोड़ो अन्नदाताओं को राहत देने वाली है, बल्कि कृषि एवं ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान करती है। हम इस दूरदर्शी एवं किसान हितैषी विचार का हृदय से स्वागत और पूर्ण समर्थन करते हैं। कृषि पशुपालन एवं मत्स्य हितों में ये प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी।'

छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ के किसान श्री विरेन्द्र लोहान ने कहा कि 'प्रधानमंत्री जी ने अमेरिकी कंपनियों को कृषि और डेयरी सेक्टर में प्रवेश नहीं देने का जो साहसिक निर्णय लिया है, वह हर खेत, हर गांव और हर गौशाला में गूंज रहा है। आपने अमेरिकी कंपनियों को प्रवेश न देकर ये सिद्ध कर दिया है कि, भारत का किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि इस राष्ट्र की आत्मा है और इस आत्मा पर कभी कोई विदेशी कब्जा नहीं कर सकता। आपने हमें भरोसा दिलाया है कि, जब तक दिल्ली में वर्तमान नेतृत्व है, तब तक कोई भी ताकत भारत के किसानों को गुलाम नहीं बना सकती। मैं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का नकली खाद, बीज, कीटनाशक के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।'

श्री धर्मेंद्र मलिक ने भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'हम देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और कृषि मंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। मैं आपसे एक अपील भी करना चाहता हूं कि आपने जो स्टैंड लिया है, उस पर आप अडिग रहें और मुक्त व्यापार को लेकर हमारी नीतियों में कोई बदलाव ना लाए। हम सदैव आपके साथ हैं।'

श्री किरपा सिंह नत्थूवाला ने कहा कि 'हम बहुत चिंतित थे कि, अमेरिका समझौते को लेकर दबाव डाल रहा है, अगर समझौता हो जाता तो हम किसान बर्बाद हो जाते। लेकिन प्रधानमंत्री जी और कृषि मंत्री जी ने किसानों के हित में कठोर निर्णय लिया है, इस निर्णय से पंजाब और देश के किसानों की छाती चौड़ी हो गई है। मैं देश के नागरिकों, किसानों और व्यापारियों को बताना चाहता हूं कि, अमेरिका चाहे जो बोलता रहे लेकिन हमारा कोई नुकसान नहीं होने वाला। कृषि मंत्री जी मैं आपको बधाई देता हूं और बताना चाहता हूं कि, देश का किसान आपके साथ खड़ा है।'

पंजाब से आए किसान श्री कुलदीप सिंह बाजिदपुर ने प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसान कल्याण के लिए सरकार अनेक कदम उठा रही हैं जिससे किसान भाइयों- बहनों की जिंदगी में बदलाव आया है। आगे हम आशा करते है कि सरकार और मजबूत कदम उठाएंगी ताकि हमें अमेरिका जैसे देशों की तरफ देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। प्रधानमंत्री के निर्णय पर गर्व है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि एक लघु भारत का दृश्य यहां दिखाई दे रहा है। मैं आपको प्रणाम करता हूं और यहां नीचे उपस्थित मेरे वो किसान भाई, जो दिन और रात मेहनत करके आज केवल भारत को नहीं बल्कि पूरी दुनिया को खिलाने का समार्थ्य रखते हैं। अन्न हमारा जीवन है। अन्न ही ब्रह्म है। किसान अन्न देता है तो वो अन्नदाता भी है और वो जीवनदाता भी है। एक कृषि मंत्री के रूप में मुझे हमेशा ये लगता है कि किसानों की सेवा ही भगवान की पूजा है और इससे बड़ी पूजा कोई हो नहीं सकती।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज फिर से दोहराया कि नकली खाद और उर्वरक बनाने वालों के खिलाफ सरकार जल्द ही नया कानून लाकर सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। कल ही राजस्थान के झुंझुनूं से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा राशि का डिजिटल भुगतान भी किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री के राष्ट्र सर्वोपरि के संकल्प पर बल देते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौता रद्द करना कर एक ऐतिहासिक निर्णय था। जिसके लिए हम प्रधानमंत्री के प्रति आभारी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदैव राष्ट्र हित में मजबूत फैसले लिए हैं, जिनके प्रति देश आभारी है।

डीपीआईआईटी ने नवोन्मेषण गति केंद्रित आरंभिक चरण के स्टार्टअप्स की सहायता करने और विस्तार देने के लिए हीरो मोटोकॉर्प के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

यह साझेदारी मोबिलिटी, क्लीन टेक और डीप टेक के भविष्य पर ध्यान केंद्रित करेगी

स्टार्टअप्स को हीरो मोटोकॉर्प की वैश्विक अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं, डीलर नेटवर्क और मेंटरशिप तक पहुंच प्राप्त होगी

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अपने नवोन्मेषण में गति लाने वाले कार्यक्रम 'हीरो फॉर स्टार्टअप्स' के माध्यम से आरंभिक चरण के स्टार्टअप्स और उद्यमियों की सहायता करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, डीपीआईआईटी और हीरो मोटोकॉर्प संयुक्त रूप से मोबिलिटी, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और गहन प्रौद्योगिकी के भविष्य से जुड़े क्षेत्रों में काम करने वाले स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करेंगे। इस साझेदारी के तहत, चयनित स्टार्टअप्स को जर्मनी और भारत में हीरो मोटोकॉर्प की विश्वस्तरीय अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं,

कंपनी के डीलरों, आपूर्तिकर्ताओं और साझेदारों के व्यापक नेटवर्क तथा मार्गदर्शन तक विशेष पहुंच प्रदान की जाएगी। चुने गए स्टार्टअप्स को सशुल्क प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी) पर काम करने का अवसर भी मिलेगा, जिससे पायलट परियोजनाओं को सफल बनाने में सहायता मिलेगी और उनके नवोन्मेषणों के विकास और उपस्थिति को बढ़ाने के लिए मूल्यवान बाजार अनुभव प्राप्त किया जा सकेगा।

इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव ने कहा कि हीरो मोटोकॉर्प के साथ साझेदारी भारत की मोबिलिटी चुनौतियों का समाधान करने वाले उत्पाद-केंद्रित स्टार्टअप्स को सक्षम बनाने की डीपीआईआईटी की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगी। उन्होंने कहा कि उद्योग के अनुभव को जमीनी स्तर के नवोन्मेषणों से जोड़ने के द्वारा हमने, विशेष रूप से उभरती प्रौद्योगिकियों और टियर 2/3 बाजारों में, विचार से प्रभाव (आइडिया टू इम्पैक्ट) तक की यात्रा में तेजी लाने का लक्ष्य रखा है।

हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. पवन मुंजाल ने कहा कि कंपनी खुद को न केवल उद्योग जगत की एक अग्रणी कंपनी के रूप में, बल्कि एक राष्ट्र-निमार्ता के रूप में भी देखती है, जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा व्यक्त किए गए विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप है। उन्होंने कहा, "हमारा मानना है कि भारत का जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत के निर्माण में एक महत्वपूर्ण शक्ति है। डीपीआईआईटी के साथ हमारी साझेदारी इस उद्यमशीलता की भावना को पोषित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।"

समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत जारंगल और हीरो मोटोकॉर्प के ग्लोबल इनोवेशन पोर्टफोलियो लीड श्री उत्कर्ष मिश्रा ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

इस साझेदारी से भारत के व्यापक लक्ष्यों मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत@2047 के अनुरूप नवोन्मेषण आधारित औद्योगिक विकास के लिए नए मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

तिरंगा यात्राः संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की नोडल संस्था ललित कला अकादमी ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत जगाई देशभक्ति की लौ

(जीएनएस)।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की नोडल संस्था ललित कला अकादमी (LKA), द्वारा नई दिल्ली में राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज फिरोजशाह रोड सर्कल पर भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। यह आयोजन सांस्कृतिक एकता, राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति का प्रबल प्रतीक बनकर उभरा, जिसने दिल्ली की सड़कों को तिरंगे के रंगों से जीवंत कर दिया।

सुबह 10 बजे शुरू हुई इस यात्रा में 1200 से अधिक स्कूली बच्चों, साहित्य जगत की प्रमुख व्यक्तियों और ललित कला अकादमी के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।यात्रा के दौरान तिरंगे के रंगों वाले गुब्बारे

आकाश में छोड़े गए, जो राष्ट्रीय एकता और गर्व का संदेश देते हुए आसमान में लहराए गए। प्रतिभागियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत गाए और जोशपूर्ण नारों के साथ वातावरण को देशप्रेम की ऊर्जा से सराबोर कर दिया। तिरंगे के साथ कदमताल करते हुए बच्चों और अन्य प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता और गौरव का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

ललित कला अकादमी, जो संस्कृति मंत्रालय के तहत कला और संस्कृति को बढ़ावा देने वाली प्रमुख संस्था है, ने इस आयोजन के माध्यम से कला, संस्कृति और देशभक्ति के अनूठे संगम को प्रदर्शित किया। यह यात्रा न केवल तिरंगे के प्रति सम्मान को दशार्या, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को भी सशक्त करती है।

जिससे युवाओं में देशप्रेम की भावना को नया बल मिला। हर घर तिरंगा अभियान के तहत ललित कला अकादमी का यह प्रयास तिरंगे के गौरव को हर घर तक पहुंचाने और समाज में राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हुआ। इस आयोजन ने दिल्लीवासियों को एकजुट कर देशभक्ति की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

'शिक्षार्थी' द्वारा बाल साहित्य के निजी पत्र संग्रह का अधिग्रहण

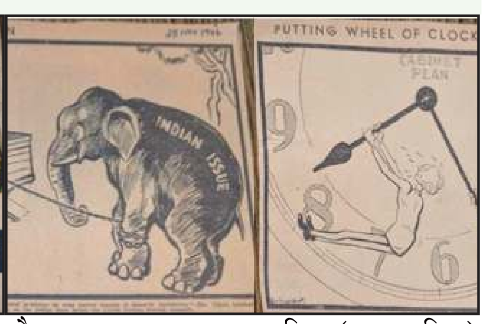

(जीएनएस)।

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, भारत सरकार के अप्रचलित अभिलेखों का संरक्षक है और लोक अभिलेख अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अनुसार प्रशासकों और शोधकताओं के उपयोग हेतु उन्हें न्यास के रूप में रखता है। एक प्रमुख अभिलेखीय संस्थान के रूप में, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार अभिलेखीय चेतना को दिशा देने और उसे आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सार्वजनिक अभिलेखों के विशाल संग्रह के अलावा, राष्ट्रीय अभिलेखागार के पास जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रतिष्ठित भारतीयों के निजी पत्रों का समृद्ध और निरंतर बढ़ता संग्रह है, जिन्होंने हमारे राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) ने प्रसिद्ध लेखक और कार्टूनिस्ट राम पदारथ 'शिक्षार्थी' (03 जून 1919 - 20 नवंबर 1981) द्वारा बनाए गए कार्टूनों, उपन्यासों और बाल साहित्य पर पुस्तकों का एक दुर्लभ और मूल्यवान संग्रह प्राप्त किया है।

उनकी पुत्री सुश्री अल्पना निगम द्वारा दान किए गए इस संग्रह में उनके समय के सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को प्रतिबिंबित करने वाली विविध कृतियाँ शामिल हैं। जहाँ उनके कई राजनीतिक कार्टूनों ने उस युग की भावना को दशार्या, वहीं उनकी गैर-राजनीतिक कृतियों ने आम लोगों के दैनिक जीवन का हास्यपूर्ण और व्यंग्यात्मक चित्रण प्रस्तुत किया। "शिक्षार्थी" ने अपना स्वयं का प्रिंटिंग प्रेस भी स्थापित किया और भारत में स्वस्थ बाल साहित्य (बाल साहित्य) को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुद्रित कृतियों के अलावा, इस संग्रह में हस्तलिखित सामग्री भी शामिल है जो भारतीय कला, साहित्य और समाज में शिक्षार्थी के योगदान को उजागर करती है। भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार देश की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करने और उसे शोधकताओं, विद्वानों और आम जनता के लिए सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को स्वीकृति

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4600 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को स्वीकृति दी

भारत सेमीकंडक्टर मिशनः कंपाउंड सेमीकंडक्टर और उन्नत पैकेजिंग क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है भारत, इस क्षेत्र में गति और बढ़ेगी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अंतर्गत चार और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को स्वीकृति दी है।

भारत में सेमीकंडक्टर इकाइयों के अनुकूल परिवेश के निर्माण में तेजी आ रही है। इस क्षेत्र में छह स्वीकृत परियोजनाएं पहले से ही कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। आज स्वीकृत ये चार प्रस्ताव सिकसेम (एसआईसीएसईएम), कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीडीआईएल), 3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक. और एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज (एएसआईपी) टेक्नोलॉजीज के हैं।

इन चार स्वीकृत प्रस्तावों के माध्यम से लगभग 4,600 करोड़ रुपये के कुल निवेश से सेमीकंडक्टर विनिर्माण कंपनियां स्थापित होंगी और इसी प्रकार से 2034 कुशल पेशेवरों के लिए रोजगार का सृजन होने की आशा है। इससे इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए अनुकूल परिवेश को गति मिलेगी और इसके परिणामस्वरूप अप्रत्यक्ष रूप से भी बहुत-सी नौकरियों का सृजन होगा। आज इन चार और प्रस्तावों की स्वीकृति के साथ, भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अंतर्गत 6 राज्यों में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या 10 हो गई है।

दूरसंचार, ऑटोमोटिव, डेटा सेंटर, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग को देखते हुए ये चार नई स्वीकृत सेमीकंडक्टर परियोजनाएं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

सिकसेम (एसआईसीएसईएम) और 3डी ग्लास की स्थापना ओडिशा में की जाएगी। सीडीआईएल पंजाब में स्थित है और एएसआईपी की स्थापना आंध्र प्रदेश में की जाएगी।

सिकसेम प्राइवेट लिमिटेड ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित इन्फो वैली में ब्रिटेन की क्लास-सिक वेफर फैब लिमिटेड के साथ मिलकर सिलिकॉन कार्बाइड (एसआईसी) आधारित कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स का एकीकृत संयंत्र स्थापित कर रहा है। यह देश की पहली व्यावसायिक कंपाउंड फैब्रिकेशन इकाई होगी। इस परियोजना में सिलिकॉन कार्बाइड उपकरणों का निर्माण प्रस्तावित है। इस कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब इकाई की वार्षिक क्षमता 60,000 वेफर्स और पैकेजिंग क्षमता 9 करोड़ 60 लाख इकाइयों की होगी। प्रस्तावित उत्पादों का उपयोग मिसाइलों, रक्षा उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), रेलवे, फास्ट चार्जर्स, डेटा सेंटर रैक, उपभोक्ता उपकरणों और सौर ऊर्जा इन्वर्टर में किया जाएगा।

3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक. (3डीजीएस) ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित इन्फो वैली में वर्टिकल इंटीग्रेटेड एडवांस पैकेजिंग और एम्बेडेड ग्लास सबस्ट्रेट यूनिट स्थापित करेगी। भारत में यह इकाई दुनिया की सबसे उन्नत पैकेजिंग तकनीक लाएगी। इससे उन्नत पैकेजिंग सेमीकंडक्टर उद्योग में अगली पीढ़ी की सामर्थ्य हासिल होगी। इस सुविधा में पैसिव और सिलिकॉन ब्रिज वाले ग्लास इंटरपोजर और 3डी हेटेरोजेनस इंटीग्रेशन (3डीएचआई) मॉड्यूल सहित कई उन्नत तकनीकें उपलब्ध होंगी। योजना के अनुसार इस इकाई की क्षमता लगभग 69,600 ग्लास पैनल सबस्ट्रेट, 5 करोड़ असेंबल्ड इकाइयों और 13,200 3डीएचआई मॉड्यूल प्रति वर्ष होगी। प्रस्तावित उत्पादों के महत्वपूर्ण अनुप्रयोग रक्षा, उच्च-प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आरएफ और ऑटोमोटिव, फोटोनिक्स और को-पैकेज्ड ऑप्टिक्स इत्यादि क्षेत्रों में होंगे।

एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज टेक्नोलॉजीज (एएसआईपी) दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी कंपनी लिमिटेड के साथ तकनीकी साझेदारी के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई स्थापित करेगी जिसकी वार्षिक क्षमता 9 करोड़ 60 लाख इकाइयों की होगी। इसमें निर्मित उत्पादों का उपयोग मोबाइल फोन, सेट-टॉप बॉक्स, ऑटोमोबाइल संबंधी अनुप्रयोगों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में किया जाएगा।

कॉन्टिनेंटल डिवाइस (सीडीआईएल) पंजाब के मोहाली में अपनी भिन्न प्रकार की सेमीकंडक्टर निर्माण व्यवस्था का विस्तार करेगी। प्रस्तावित कंपनी में सिलिकॉन और सिलिकॉन कार्बाइड दोनों में उच्च-शक्ति वाले भिन्न प्रकार के सेमीकंडक्टर उपकरणों का निर्माण किया जाएगा जैसे, एमओएसएफईटी, आईजीबीटी, शॉटकी बाईपास डायोड और ट्रांजिस्टर। पहले से चल रही इस कंपनी की वार्षिक क्षमता विस्तार के बाद 158.38 मिलियन इकाइयों की होगी। इन प्रस्तावित इकाइयों से निर्मित उपकरणों का उपयोग ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स में किया जाएगा जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन और उनके चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां, विद्युत रूपांतरण अनुप्रयोग, औद्योगिक अनुप्रयोग और संचार संबंधी अवसंरचना शामिल हैं।

इन परियोजनाओं की स्वीकृति से देश में सेमीकंडक्टर के अनुकूल परिवेश के निर्माण को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलेगा क्योंकि इन परियोजनाओं में देश की पहली वाणिज्यिक कंपाउंड फैब्रिकेशन इकाई और अत्यधिक उन्नत ग्लास-आधारित सबस्ट्रेट सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई शामिल है।

ये परियोजनाएं देश में विकसित हो रही विश्व स्तरीय चिप डिजाइन क्षमताओं को और मजबूत करेंगी जिन्हें सरकार की ओर से 278 शैक्षणिक संस्थानों और 72 स्टार्ट-अप्स को प्रदान की जा रही डिजाइन अवसंरचना सहायता से बल मिल रहा है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

जीएसआरटीसी टीम द्वारा अहमदाबाद मंडल के वॉर रूम का अवलोकन

अहमदाबाद मंडल, पश्चिम रेलवे स्थित वॉर रूम का दिनांक 12.08.2025 को, श्री एम. नागराज, कअर, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जीएसआरटीसी के मार्गदर्शन में, जीएसआरटीसी के वरिष्ठ मंडल यातायात अधिकारी श्री देव रांजिया ने टीम सहित अवलोकन किया।

इस दौरान टीम को वॉर रूम की कार्यप्रणाली, केंद्रीयकृत रेल मदद सेवा का 139 सेवाओं के साथ एकीकरण, तथा मंडल के समन्वित प्रतिक्रिया तंत्र की जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि वॉर रूम 24७7 यात्री फीडबैक की निगरानी करता है, संबंधित विभागों से समयबद्ध समन्वय स्थापित करता है और शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करता है। त्वरित प्रतिक्रिया, सटीक समन्वय और प्रभावी समाधान के इस मॉडल की जीएसआरटीसी टीम ने सराहना करते हुए इसे यात्री सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

इस दौरे से जीएसआरटीसी और भारतीय रेल के बीच यात्री सेवा सुधार एवं जन शिकायत निवारण तंत्र को सुदृढ़ करने हेतु सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान हुआ। श्री देव रांजिया ने अहमदाबाद मंडल की तकनीकी एकीकरण क्षमता एवं त्वरित प्रतिक्रिया हेतु सक्रिय कार्यप्रणाली की विशेष रूप से प्रशंसा की।

इस दौरान जीएसआरटीसी की टीम को वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, श्री अन्नू त्यागी द्वारा मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

'हर घर तिरंगा' एवं स्वच्छता अभियान 2025 के अंतर्गत अहमदाबाद मंडल पर निकाली गई जागरूकता रैली

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा "हर घर तिरंगा" अभियान और "स्वच्छता अभियान 2025" के अंतर्गत आज 12.08.2025 एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से प्रारंभ होकर यह रैली निर्माण भवन तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे और 'भारत माता की जय' एवं 'वंदे मातरम्' जैसे देशभक्ति नारों के साथ यह रैली देशप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का संदेश लेकर निकली। इस दौरान रेल कर्मियों और अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यालय तथा घरों में तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके साथ ही, 1 अगस्त से 14 अगस्त 2025 तक चल रहे "स्वच्छता अभियान 2025" के अंतर्गत मंडल में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंडल कार्यालय के कार्मिक विभाग द्वारा चित्रकला, प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया, जिसमें रेल कर्मचारियों एवं केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अहमदाबाद मण्डल की सांस्कृतिक टीम द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

"हर घर तिरंगा" अभियान के अंतर्गत आयोजित ये कार्यक्रम कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने एवं स्वच्छता के प्रति जागरूककरने के उद्देश्य से आयोजित किए गए।

पश्चिम रेलवे पर बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है 'स्वच्छता अभियान'

पश्चिम रेलवे द्वारा श्रमदान और वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

फोटो कैप्शन: पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल में "स्वच्छता अभियान" के अंतर्गत आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की झलकियां।

भारतीय रेल द्वारा हमारे देश में मनाये जा रहे स्वतंत्रता दिवस समारोह के एक भाग के रूप में और स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वच्छता के राष्ट्रीय हित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि के लिए "स्वच्छता अभियान" मनाया जा रहा है। यह अभियान दो चरणों में अर्थात 1 से 15 अगस्त, 2025 तक और उसके बाद 16 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2025 तक मनाया जा रहा है। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे स्टेशनों, ट्रेनों, कॉलोनियों, कार्यालयों, डिपो और वर्कशॉप आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को दशार्ता है, साथ ही कर्मचारियों और यात्रियों में जागरूकता भी बढ़ाता है। पश्चिम रेलवे भी इस "स्वच्छता अभियान" में सक्रिय रूप से भाग ले रही है और इसके सभी मंडलों और इकाइयों में इसे बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे का मुंबई सेंट्रल मंडल भी रेल कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ स्वच्छता अभियान मना रहा है। कर्मचारियों और जन-स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से कई स्थानों पर नुक्कड़ नाटक और स्वच्छता रैलियाँ आदि आयोजित की जा रही हैं। रेलवे स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों और कार्यालयों में स्वच्छता और स्टेशन रखरखाव पर कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं। इसी प्रकार, आम जनता से सीधे संपर्क रखने वाले कर्मचारियों के लिए भी विशेष कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों से कर्मचारियों को स्वच्छता के सर्वोत्तम तरीके सीखने और ग्राहक सेवा में सुधार करने में मदद मिलती है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में रेलवे स्काउट्स एवं गाइड्स टीम द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया, जिसमें रेलवे कर्मचारियों को स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालने के साथ-साथ अपनी दिनचर्या में बेहतर स्वच्छता प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

श्री विनीत ने आगे बताया कि मुंबई सेंट्रल मंडल के विभिन्न स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों और कार्यालय परिसरों में श्रमदान और सघन सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। अभियान के दौरान रेलवे पटरियों के पास लगभग 2000 मीटर नालियों की सफाई की गई, जिससे बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित हुई। पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर केंद्रित जागरूकता अभियान विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं। इन अभियानों से स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद मिली है। मंडल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने प्रमुख स्टेशनों पर कूड़ा-कचरा विरोधी अभियान चलाकर यात्रियों से कचरे का जिम्मेदारी से निपटान करने और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने का आग्रह किया जा रहा है। पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप मुंबई सेंट्रल स्थित कोच केयर सेंटर ने बायो-टॉयलेट के उपयोग पर एक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। रेलवे कर्मचारियों की एक टीम मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर यात्रियों के साथ बातचीत कर रही है और उन्हें बायो-टॉयलेट के इस्तेमाल के फायदों और बेहतर स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन में इनके योगदान के बारे में जानकारी दे रहे है। इसके अलावा लोगों को स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताने के लिए स्वच्छता हस्ताक्षर अभियान भी चलाए जा रहे हैं। खानपान कर्मचारियों के लिए जागरूकता अभियान और खाद्य प्रतिष्ठानों, पेंट्री कारों और बेस किचन में निरीक्षण भी चलाए जा रहे हैं। यात्रियों को प्लास्टिक कचरे को कम करने और कचरे का उचित निपटान केवल कूड़ेदानों में करने के लिए प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हरित पहल के तहत, विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह सप्ताह के दौरान स्वच्छता अभियान में पश्चिम रेलवे की सक्रिय भागीदारी स्वच्छता, स्थिरता और सार्वजनिक सहभागिता के प्रति इसकी निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

हिम्मतनगरझखेड़ब्रह्मा गेज परिवर्तन परियोजना पूर्ण होने के करीब: सीआरएस निरीक्षण जारी

"हिम्मतनगर-खेड़ब्रह्मा खंड के निरीक्षण के साथ, उत्तर गुजरात में रेल संपर्क के नए युग की शुरूआत

हिम्मतनगर,12 अगस्त 2025 - हिम्मतनगर और खेड़ब्रह्मा को जोड़ने वाली ऐतिहासिक मीटर गेज रेलवे लाइन, जो एक सदी से भी अधिक समय से साबरकांठा क्षेत्र की जीवनरेखा रही है, अब आधुनिक ब्रॉड गेज रूप में पुनः खुलने जा रही है। इस गेज परिवर्तन से तेज, सुरक्षित और अधिक कुशल रेल सेवा मिल पाएगी।

हिम्मतनगरझखेड़ब्रह्मा गेज परिवर्तन परियोजना, जो गुजरात के साबरकांठा ज़िले में 55 किमी की दूरी को कवर करती है, इस परियोजना को 2 जून 2022 को ₹482 करोड़ की लागत से स्वीकृति मिली थी। इस परियोजना में पुरानी मीटर गेज लाइन को बेहतरीन ब्रॉड गेज ट्रैक से बदला जा रहा है, जिससे उच्च गति, बेहतर सुविधा और बढ़ी हुई मालवाहक क्षमता सुनिश्चित होगी। यह कार्य एढउ (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) अनुबंध के तहत किया जा रहा है, जो 28 मई 2023 को प्रदान किया गया था।

आज, पश्चिम रेलवे मंडल के रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने वैधानिक निरीक्षण शुरू किया—जो कमीशनिंग से पहले एक आवश्यक कदम है। निरीक्षण हिम्मतनगर से शुरू होकर जादर तक 20 किमी की दूरी मोटर ट्रॉली द्वारा किया गया। टीम ने स्टेशन सुविधाओं, ट्रैक ज्योमेट्री, घुमाव, पुलों और रोड अंडर ब्रिज (फ्वइ२) की विस्तृत जांच की।

निरीक्षण टीम में श्री ई. श्रीनिवास, रेल सुरक्षा आयुक्त (उफ्र) (पश्चिम रेलवे मंडल), श्री वेद प्रकाश, मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद, श्री प्रदीप गुप्ता,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मुख्य ट्रैक इंजीनियर, मुख्य परिचालन प्रबंधक (जी) तथा निर्माण और ओपन लाइन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

परियोजना का चरणबद्ध रूप से कमीशनिंग प्रस्तावित है:

- हिम्मतनगर से इडर (31 किमी) - वर्तमान चरण में खोलने का लक्ष्य
- इडर से खेड़ब्रह्मा (23.83 किमी) - सितंबर 2025 तक खोलने का लक्ष्य

"यह परिवर्तन केवल गेज में सुधार नहीं है; यह साबरकांठा क्षेत्र के लिए कनेक्टिविटी, अवसर और विकास क्षमता में भी सुधार है।"

एक बार चालू हो जाने पर, आधुनिकीकृत लाइनः

- यात्रियों के लिए यात्रा का समय कम करेगी
- तेज गति और समय पर सेवाएँ प्रदान करेगी
- कृषि, पत्थर उत्खनन और औद्योगिक वस्तुओं के लिए भारी और तेज माल ढुलाई की सुविधा प्रदान करेगी

आज के निरीक्षण के साथ, हिम्मतनगर और ईडर-खेड़ब्रह्मा के बीच इस महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग के पुनः खुलने से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जो अब क्षितिज पर है और उत्तर गुजरात के लिए रेल संपर्क के एक नए युग की शुरूआत करेगा।

स्थानीय उत्साह और आर्थिक उम्मीदें

जादर के निवासियों ने आशा व्यक्त की है और अनुमान लगाया है कि यह परियोजना क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति देगी। वर्तमान में, जादर और हिम्मतनगर के बीच बसें एक से डेढ़ घंटे का समय लेती हैं, जिससे कनेक्टिविटी और बाजार तक पहुँच सीमित हो जाती है। ट्रेनें शुरू होने के बाद, किसानों और व्यापारियों को काफी फायदा होने की उम्मीद है—खासकर गेहूँ, सब्ज़ियों और सूखे अनाज को अहमदाबाद के बाजारों तक पहुँचाने में, जहाँ उन्हें बेहतर दाम मिल सकते हैं।

एक स्थानीय व्यापारी ने कहा, "यह रेलवे समय की बचत करेगी, परिवहन लागत कम करेगी और व्यापार के नए अवसर खोलेगी। हमारे किसानों के लिए, इसका मतलब बेहतर मुनाफा और बड़े बाजारों तक पहुँच है।"

नेपाल की सियासत में हिंदुत्व की आहट! सीमा पार बढ़ रहे एकल विद्यालय, आरएसएस-वीएचएस पर क्यों टिकी नजर?

(जीएनएस)।

भारत के साथ खुली सीमा साझा करने वाला नेपाल (Nepal) अब एक नए राजनीतिक दौर से गुजर रहा है। पड़ोसी देश में अब हिंदुत्व की राजनीति तेजी से जड़ें जमा रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से प्रेरित हिंदू स्वयंसेवक संघ (HSS) के नेतृत्व में एकल विद्यालयों और पशुपति शिक्षा मंदिरों के जरिए हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को मजबूती मिल रही है।

BBC की रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल के बीरगंज जैसे इलाकों में एकल विद्यालय 1992 से चल रहे हैं। इन विद्यालयों में ज्यादातर दलित समुदाय के बच्चे पढ़ते हैं। यहां केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि हिंदुत्व के विचारों को

नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने जैसे मुद्दों पर संकल्प

इन स्कूलों में बच्चों को गोहत्या रोकने, धर्मांतरण के खिलाफ जागरूकता और नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने जैसे मुद्दों पर संकल्प दिलाया जाता है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बीरगंज के सोनरनिया गांव में सुरेश पासवान के घर चलने वाले एकल विद्यालय के प्रमुख सोहनलाल प्रसाद साह खुलकर कहते हैं कि ये विद्यालय आरएसएस से जुड़े हैं। साह ने खुद गोरखपुर में आरएसएस की 21 दिनों की ट्रेनिंग वर्कशॉप में हिस्सा लिया था।

एचएसएस (HSS) और आरएसएस (RSS) का संबंध

हिंदू स्वयंसेवक संघ (HSS) नेपाल सहित अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में सक्रिय है।

हालांकि, आरएसएस और एचएसएस अपनी वेबसाइटों पर आपसी संबंधों का जिक्र नहीं करते, लेकिन दोनों के बीच गहरा जुड़ाव स्पष्ट है। नेपाल में एचएसएस के 1048 एकल विद्यालय और 35 पशुपति शिक्षा मंदिर चल रहे हैं।

बीरगंज के पशुपति शिक्षा मंदिर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आरएसएस की शाखाओं जैसा माहौल, गणवेश और प्रार्थनाएं देखने को मिलती हैं। यहां तक कि स्कूलों में आरएसएस के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और पूर्व सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर की तस्वीरें प्रमुखता से लगी हैं।

नेपाल में हिंदुत्व के नेतृत्व और प्रशिक्षण

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल में हिंदुत्व के अभियान में रवित कुमार और वेद प्रकाश जैसे लोग सक्रिय हैं, जो आरएसएस से प्रशिक्षित हैं। स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण नागपुर में आरएसएस के मुख्यालय में भी होता है। एचएसएस के राष्ट्रीय संघचालक कल्याण कुमार तिम्सिना, जो पूर्व पुलिस अधिकारी हैं, हिंदुत्व को बढ़ावा देने की बात स्वीकार करते हैं, लेकिन आरएसएस से संबंधों पर स्पष्ट जवाब देने से बचते हैं।

नेपाल में हिंदुत्व की राजनीति का इतिहास पुराना है। आधुनिक नेपाल के निमार्ता पृथ्वी नारायण शाह ने नेपाल को 'असली हिंदुस्थान' माना था। 19वीं सदी में मराठी ब्राह्मणों के प्रभाव और 1925 में आरएसएस के गठन के साथ नेपाल में हिंदुत्व के विचारों को बल मिला। 1960 के दशक में राजा महेंद्र के शासनकाल में आरएसएस के साथ निकटता बढ़ी, और 2008 में राजशाही खत्म होने के बाद भी हिंदुत्व की राजनीति ने जोर पकड़ा। 2014 में भारत में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद नेपाल में हिंदुत्व को और प्रोत्साहन मिला।

विरोध और चिंताएं

नेपाल में हिंदुत्व की बढ़ती सक्रियता को लेकर कई लोग चिंतित भी हैं। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली और सांसद अमरेश सिंह जैसे लोग मानते हैं कि हिंदुत्व की राजनीति नेपाल की संप्रभुता के लिए खतरा बन सकती है।

मधेस में सांप्रदायिक तनाव की घटनाएं, जैसे हनुमान जयंती और रामनवमी के दौरान हुई झड़पें, इस चिंता को और गहरा रही हैं। नेपाली कांग्रेस की सांसद जावेदा खातून का कहना है कि भारत की राजनीति का असर नेपाल में धार्मिक सौहार्द को प्रभावित कर रहा है।

नेपाल में हिंदुत्व की राजनीति का उभार, एचएसएस और आरएसएस की सक्रियता के साथ, एक जटिल सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को दशार्ता है।

कृषि और विपणन पर राष्ट्रीय नीति रुपरेखा (एनपीएफएएम)

(जीएनएस)।

विभिन्न राज्यों ने स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार छोटे और सीमांत किसानों सहित किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए कृषि उपज बाजार समितियों (एपीएमसी) की स्थापना की है, क्योंकि कृषि विपणन राज्य का विषय है।

किसानों को बिचौलियों के हस्तक्षेप के बिना उचित मूल्य पर अपनी उपज बेचने में सुविधा प्रदान करने के लिए, सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) प्लेटफॉर्म की शुरूआत की थी। ई-नाम प्लेटफॉर्म ने ग्रामीण किसानों की बाजार पहुँच बढ़ाकर, बेहतर मूल्य निर्धारण, कम लेन-देन लागत, व्यापक बाजारों तक पहुँच, स्थानीय बाजार पर निर्भरता कम करके और बेहतर आय के अवसरों के माध्यम से महत्वपूर्ण लाभ पहुँचाया है। यह प्लेटफॉर्म ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करके और नकद लेनदेन की आवश्यकता को कम करके अधिक पारदर्शिता और दक्षता लाया है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है।

30 जून, 2025 तक, 23 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों की 1,522 मंडियों को इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) प्लेटफॉर्म से एकीकृत किया जा चुका है। जून 2024 से जून 2025 तक, इस प्लेटफॉर्म पर व्यापार की मात्रा में 21 प्रतिशत और व्यापार मूल्य में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सरकार हर साल राज्य सरकारों और संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों के विचारों पर विचार करने के बाद, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर 22 अधिदेशित कृषि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करती है। सरकार ने वर्ष 2018-19 से अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50 प्रतिशत लाभ के साथ सभी अधिदेशित खरीफ, रबी और अन्य वाणिज्यिक फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि की है। 2014-15 से 2025-26 (30.06.2025 तक) के दौरान सरकार ने किसानों से 1,69,980.90 करोड़ रुपये मूल्य के 315.19 लाख मीट्रिक टन कृषि उत्पाद (तिलहन, दलहन और खोपरा) खरीदे हैं। किसानों के लिए मूल्य समर्थन प्रणाली (पीएसएस) और मूल्य न्यूनता भुगतान प्रणाली (पीडीपीएस) के योजना घटकों के माध्यम से विशेष रूप से दालों, तिलहन और खोपरा के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) भी कार्यान्वित किया जा रहा है।

यह जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

डीपीआईआईटी ने जेप्टो नोवा इनोवेशन चैलेंज के माध्यम से विनिर्माण स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए जेप्टो के साथ किया समझौता

हार्डवेयर, आईओटी, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए साझेदारी

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अपने 'जेप्टो नोवा' इनोवेशन चैलेंज के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र में प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को समर्थन और विस्तार देने के लिए जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस सहयोग का उद्देश्य छह महीने के एकाग्र कार्यक्रम के माध्यम से स्टार्टअप्स की खोज और उनका मार्गदर्शन करना है। यह कार्यक्रम हार्डवेयर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण के क्षेत्रों में तकनीक विकसित करने वाले स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करेगा। वे जेप्टो के वितरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करके प्रोटोटाइप से बाजार तक के लिए तैयार समाधानों का विकास कर सकेंगे।

यह साझेदारी विशेषज्ञों के नेतृत्व में होने वाली कार्यशालाओं और स्टार्टअप इंडिया सहयोग के माध्यम से महिलाओं की मुख्य भूमिका वाले और टियर दो/तीन के स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें मार्गदर्शन और क्षमता निर्माण के संबंध में सहायता प्रदान करेगी।

इसके अतिरिक्त जेप्टो अपनी आपूर्ति श्रृंखला में 100 से अधिक भारतीय स्टार्टअप्स को जोड़ेगा जिससे उन्हें उत्पादों को प्रदर्शित करने, बाजार तक पहुंच प्राप्त करने और अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए मंच मिलेगा।

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव ने इस अवसर पर कहा कि यूनिकॉर्न का समर्थन स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने के सबसे प्रभावशाली तरीकों में से एक है जो उन्हें सफल उद्यमों की यात्रा के बारे में जानकर सीखने में सक्षम बनाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि इसके अनुकूल परिवेश में योगदान देना यूनिकॉर्न के लिए न केवल एक अवसर है बल्कि एक ज़िम्मेदारी भी है। स्टार्टअप्स के विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बाजार तक पहुंच उनकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण कारक बनी हुई है।

समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत जारंगल और जेप्टो के सह-संस्थापक श्री कैवल्य वोहरा ने हस्ताक्षर किए।

जेप्टो के सह-संस्थापक श्री कैवल्य वोहरा ने कहा कि डीपीआईआईटी के साथ साझेदारी जेप्टो नोवा कार्यक्रम के माध्यम से विनिर्माण के बेहतर भविष्य को साकार करने में स्टार्टअप्स की सहायता करेगी।

यह समझौता ज्ञापन डीपीआईआईटी की साझेदारी को बढ़ावा देने के प्रयासों का भाग है जो तीव्र गति से नवाचार, समावेशी आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को सक्षम बनाएगा।

शि योमी ज़िले में 8146.21 करोड़ रुपये परिव्यय से 700 मेगावॉट तातो-द्वितीय जल विद्युत परियोजना निर्माण के निवेश प्रस्ताव को मिली मंज़ूरी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में तातो-द्वितीय जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए 8146.21 करोड़ रुपये के निवेश की मंजूरी दी। परियोजना पूरी होने की अनुमानित अवधि 72 महीने है।

700 मेगावॉट (4 ७ 175 मेगावॉट) की स्थापन क्षमता वाली यह परियोजना 2738.06 मिलियन यूनिट ऊर्जा का उत्पादन करेगी। परियोजना से उत्पन्न बिजली अरुणाचल प्रदेश में विद्युत आपूर्ति में सुधार लाने और राष्ट्रीय ग्रिड (भारत के विभिन्न ऊर्जा संयंत्रों और उपकेन्द्रों को जोड़ने वाली उच्च वोल्टेज विद्युत शक्ति संचरण प्रणाली) के संतुलन में भी सहायक होगी।

परियोजना नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनईईपीसीओ) और अरुणाचल प्रदेश सरकार के बीच संयुक्त उद्यम वाली कंपनी द्वारा कार्यान्वित की जाएगी। केंद्र सरकार राज्य की हिस्सेदारी के मद में 436.13 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता के अलावा, आवश्यक आधारभूत ढांचे - सड़क, पुल और संबंधित पारेषण लाइनों के निर्माण के लिए बजटीय सहायता के तौर पर 458.79 करोड़ रुपये देगी।

इसमें राज्य को 12 प्रतिशत निशुल्क बिजली और एक प्रतिशत स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एलएडीएफ) प्राप्त होने के अलावा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार और सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के उद्देश्यों और लक्ष्यों के अनुरूप यह परियोजना स्थानीय आपूर्तिकताओं/उद्यमों/सूक्ष्म, लघु और मध्‍यम उद्यमों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सहित कई प्रकार के लाभ प्रदान करेगी।

इस परियोजना के लिए लगभग 32.88 किलोमीटर सड़क और पुलों सहित बुनियादी ढांचे में व्यापक सुधार होगा, जिसका स्थानीय उपयोग हो सकेगा। ज़िले में 20 करोड़ रुपये की समर्पित परियोजना निधि से अस्पताल, स्कूल, बाजार, खेल के मैदान आदि बुनियादी ढांचे के निर्माण का भी लाभ होगा। स्थानीय आबादी कई प्रकार के मुआवजे, रोजगार के अवसर और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों से भी लाभान्वित होगी।

नगर निगम प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण मुक्त अभियान : अतिक्रमण करने वालों से वसूला जुमार्ना

-महोली रोड़ पर दुकानदारों ने किया नगर निगम के अभियान का विरोध

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पहले नगर निगम प्रशासन महानगर के सभी मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। नगर निगम प्रशासन द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में की जा रही कार्रवाई का असर दिखने लगा है। जानकारी के अनुसार महोली रोड स्थित दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को जेसीबी से हटाने के दौरान दुकानदारों ने नगर निगम के अधिकारियों का विरोध किया। इस बीच अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह ने उन्हें समझाते हुए चेतावनी दी कि किसी को भी नाली-नाले के ऊपर सामान नहीं रखने दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार और अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह के नेतृत्व में नगर निगम टीम ने गोवर्धन चौराहा पर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर, गोवर्धन चौराहा से मंडी चौराहा तक और मंडी चौराहा से सौंख रोड़ तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान सड़क पर अतिक्रमण कर लगाए गए टीन शेड और तिरपाल काफी संख्या में हटाते हुए नालों के ऊपर बनाई गई अस्थायी दुकानें भी हटाई गईं। इसी के साथ नगर निगम ने अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों से पांच हजार रुपए का जुमार्ना वसूलते हुए चेतावनी दी कि पुनः अतिक्रमण करने पर सामान जब्त करके कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नगर निगम के अधिकारियों ने काफी संख्या में ढकेल आदि जब्त कर लिए। नगर निगम की कार्रवाई से गरीब तबके के लोगों के सामने दो जून की रोटी का भी संकट खड़ा हो गया। वहीं दूसरी ओर नगर आयुक्त जग प्रवेश ने दुकानदार और प्रतिष्ठान संचालकों से अनुरोध किया है कि अपना सामान दुकान की सीमा के अंदर रखें, क्योंकि बाहर सामान रखने से रोड़ पर यातायात में बाधा आती है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी जारी रहेगा। अभियान के दौरान सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बिना अनुमति भंडारा करने पर लगेगा दस हजार का जुमार्ना

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर बिना अनुमति के भंडारा आयोजित करने वालों से 10 हजार रूपए का जुमार्ना वसूल किया जाएगा। जानकारी के अनुसार नगर आयुक्त जग प्रवेश ने योगीराज भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के महापर्व पर नगर निगम प्रशासन ने इच्छुक लोग एवं संस्थाओं को नियमानुसार शुल्क जमा कराके भंडारा लगाने की समीक्षा की। नगर आयुक्त ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि जो भी इच्छुक व्यक्ति या संस्था भंडारा लगाना चाहते हैं, वह नगर निगम के भूतेश्वर जोन कार्यालय के ग्राउंड फ्लोर कक्ष संख्या 12 में आवेदन देकर नियमानुसार अनुमति लेकर भंडारा आयोजित कर सकते हैं।

कंपनी के चौकीदार की हत्या में प्रयुक्त रॉड और बिजली केबिल की बरामद : छाता पुलिस ने बदमाश को रिमांड पर लेकर की बरामदगी

मथुरा (जीएनएस)। छाता क्षेत्र स्थित असर एग्रो कंपनी के चौकीदार की हत्या कर डकैती डालने वाले शातिर बदमाश को पुलिस ने रिमांड पर लेकर हत्या में प्रयुक्त एक लोहे की रॉड और बिजली की केबिल को बरामद किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह ने असर एग्रो कंपनी में डकैती के दौरान चौकीदार की हत्या करने वाले शातिर बदमाश को न्यायालय के आदेश पर जिला कारागार आगरा से रिमांड पर मथुरा लेकर आए। पुलिस ने रिमांड पर लिए शातिर बदमाश गौरव प्रजापति उर्फ आलू पुत्र जयराम निवासी हाट मैदान थाना राजाखेड़ा जिला धौलपुर (राजस्थान) हाल निवासी चंदन सिंह के किराए का मकान राजीव नगर पुलिस चौकी नीतीबाग थाना ताजगंज जिला आगरा की निशानदेई से चौकीदार की हत्या में प्रयुक्त एक लोहे की रॉड और बिजली का तार बरामद कर लिया। छाता पुलिस ने रिमांड अवधि पूरी होने पर शातिर बदमाश को वापस जिला कारागार आगरा भेज दिया।

मेयर और नगर आयुक्त ने की जन्माष्टमी पर्व को प्लास्टिक मुक्त मनाने की अपील : प्रतिबंधित प्लास्टिक बेचने और प्रयोग करने वालों पर होगी कार्रवाई

मथुरा (जीएनएस)। महानगर में सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग करने और बिक्री करने वालों के खिलाफ नगर प्रशासन कार्रवाई करेगा। नगर निगम प्रशासन ने सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने और इसकी बिक्री तथा भंडारण नहीं करने की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार मेयर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त जग प्रवेश ने नगर निगम मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक, थमाकील से निर्मित दोना, गिलास आदि पॉलीथिन के विक्रय, भंडारण और उपयोग के खिलाफ निरंतर अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसीक्रम में नगर निगम प्रशासन ने महानगर में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। मेयर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त जग प्रवेश ने महानगर के लोगों और सभी दुकानदारों को सूचित करते हुए कहा कि आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर किसी भी प्रकार की सिंगल यूज प्लास्टिक, थमाकील से निर्मित दोना, गिलास आदि प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग न करें। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को प्लास्टिक मुक्त मनाने की अपील की है। नगर आयुक्त ने कहा कि अगर कोई दुकानदार या भंडारा संचालक महानगर में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक थमाकील से बने दोना, गिलास आदि का उपयोग, बिक्री तथा भंडारण करते हुए मिला तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारी जोरों पर : नगर आयुक्त ने जन्मभूमि के क्षेत्र का किया निरीक्षण

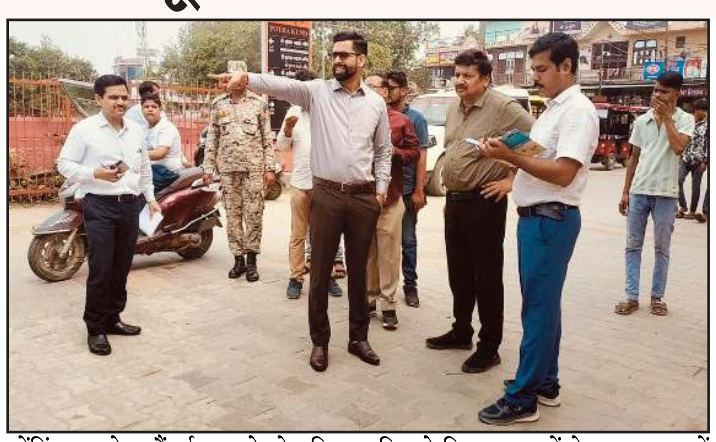

मथुरा (जीएनएस)। योगीराज भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों को परखते हुए नगर आयुक्त ने मंगलवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए सभी तैयारियां जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार नगर आयुक्त जग प्रवेश ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थित पोतराकुंड, गेट नंबर 1 और गेट नंबर 2 से होते हुए गेट नंबर 3 के साथ ही इनसे लिंक गलियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, सौंदर्यीकरण, निर्माण कार्य और प्रकाश व्यवस्था आदि समेत तैयारियों का निरीक्षण किया। इस बात नगर आयुक्त ने रिक्त दीवारों पर श्रीकृष्ण लीलाओं पर आधारित वॉल पेंटिंग करके सौंदर्य बढ़ाने के लिए मुख्य अभियंता निर्माण को निर्देश दिए। इसी के साथ कुछ स्थानों पर मिले अस्थाई अतिक्रमण को तुरंत हटाने और नियमित अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाने के निर्देश भी दिए, जिससे कि श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो सके। इसी के साथ नगर आयुक्त ने सम्पूर्ण क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शुद्ध पेयजल के पानी का टैंकर तथा शौचालय के लिए मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस बीच नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि जन्माष्टमी पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होने की संभावना है। कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा तथा सुगम आवागमन के लिए सभी व्यवस्थाएं उच्चस्तर की सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से स्वयं उपस्थित होकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत कार्रवाई करके सभी कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह और सफाई निरीक्षक विपिन कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपाइयों ने नगर क्षेत्र में भव्य बाइक तिरंगा यात्रा निकाली

खखरेरू संवाददाता

भाजपाइयों ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर क्षेत्र में भव्य बाइक तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान समूचा नगर क्षेत्र भारत माता की जयकारों से गूंज उठा। बाइक से निकली तिरंगा यात्रा नगर क्षेत्र में घूमते हुए गांधी नगर वार्ड में कटरा पहुंची। इसके बाद थाने के पास यात्रा का समापन हुआ। मंगलवार को मंडल खखरेरू व नगर की टीम ने ब्लॉक प्रमुख हंसवा विकास पासवान व चेयरमैन ज्ञान चंद्र केशरवानी, मंडल अध्यक्ष गया पाल के नेतृत्व में बाइक की तिरंगा यात्रा पनिहा बाबा चौराहा से शुरू हुई। इसमें शामिल देश प्रेमी अपनी अपनी बाइक में तिरंगा लगाकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए आंबेडकर नगर, सरदार पटेल नगर होते हुए नगर में प्रवेश करते हुए गांधी नगर स्थित कटरा तिराहा पहुंचे। इसके बाद यहां जयघोष करते हुए सभी देश प्रेमी वापस नगर की ओर पैदल आए और थाने के पास यात्रा का समापन हुआ। इस दौरान मंडल महामंत्री शुभम सिंह, आशीष त्रिपाठी, संदीप गुप्ता, धर्मेंद्र सोनकर, मंजीत पासवान, रामविकास, सुनील पासवान, मिर्जा गजाली, राहुल मौर्य, कोमल मोदनवाल, शकील अहमद, रोहित कुमार समेत तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संस्कृत सप्ताह में निकाली गई संस्कृत जागरुकता शोभायात्रा : जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम् के गगनभेदी उद्घोषों से गुंजायमान हुआ श्रीधाम वृंदावन

मथुरा (जीएनएस)। श्रावण पूर्णिमा संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मथुरा जनपद द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत भाषा के प्रति जन-जन में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से वृंदावन में संस्कृत जागरुकता शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम् के गगनभेदी उद्घोषों के साथ सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं ने शोभायात्रा में भाग लिया। शोभायात्रा वृंदावन अटल्ला चौराहा स्थित श्री राम मंदिर से महंत श्री राम रघुनाथ महाराज, जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह, संस्कृत भारती मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर, संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मंत्री धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल, संस्कृत भारती विभाग संयोजक श्यामसुंदर शर्मा और संस्कृत भारती जनपद प्रचार प्रमुख रामदास चतुर्वेदी शास्त्री द्वारा झंडी दिखाकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। शोभायात्रा वृंदावन नगर के प्रमुख मार्गों से उद्घोष करते हुए परिक्रमा मार्ग स्थित सोऽहम् आश्रम पहुंची, जहां धर्मसभा का आयोजन महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद महाराज की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने संस्कृत भारती द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा का भविष्य स्वर्णिम है, अतः छात्र-छात्राओं को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। वहीं स्वामी गौरवानन्द जी, रामविलास चतुर्वेदी, स्वामी अनिलानंद, डा. रिपुसूदन मिश्र और निरंजन लाल चतुर्वेदी आदि विद्वानों ने भी अपना सारगर्भित उद्बोधन दिया। शोभायात्रा की व्यवस्थाओं में गंगाधर अरोड़ा, हरस्वरुप यादव और डा. जमुना शर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापित ब्रजप्रांत मंत्री धर्मेन्द्र कुमार द्वारा किया गया।

बुंदेलखंड राष्ट्र समिति का संदेश गांव-गांव पहुंचा

कन्या पाठशाला में राखी भेजो महाअभियान का आयोजन

(जीएनएस)।

फतेहपुर। एक राखी बुंदेलखंड के नाम महाअभियान के 34वें दिन सरौली स्थित कन्या पाठशाला में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री को राखी और पत्र भेजकर अलग बुंदेलखंड राज्य की मांग दोहराई।

बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय बुंदेलखंडी ने कहा कि यह आंदोलन बहनों के आशीर्वाद और भाइयों के संकल्प से नई ऊर्जा पा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपना बुंदेलखंड राज्य चाहिए। इसकी आवाज प्रत्येक जिले, कस्बे और गांव में आवाज बुलंद होनी चाहिए। कार्यक्रम संयोजक युगल मिश्रा ने कहा कि यह केवल आंदोलन नहीं, बल्कि हमारे अधिकारों की लड़ाई है, जिसे हर नागरिक को अपनी भागीदारी से मजबूत करना होगा। युवा मोर्चा के अध्यक्ष एवं बीडीसी हिमांशु त्रिपाठी ने कहा कि युवाओं की एकजुटता ही इस संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। मीडिया प्रभारी कुलदीप तिवारी ने बताया कि अब तक एक लाख से अधिक राखी और पत्र प्रधानमंत्री को भेजे जा चुके हैं।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत मंगलवार को असोथर नगर पंचायत में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई।

नगर पंचायत अध्यक्ष नीरजसिंह सेंगर के नेतृत्व में यह यात्रा ठाकुर मैरिज लान के पास से दोपहर 3 बजे शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई नगर पंचायत कार्यालय समाप्त हुई।

(जीएनएस)।

तिरंगा यात्रा ठाकुर मैरिज लान से प्रारंभ होकर , प्रताप नगर चौराहा चुनका डेरा असोथर रोड, नई बाजार पुरानी बाजार सर्वोदय इंटर कॉलेज अश्वत्थामा बाबा किला पर से होते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्तंभ स्थल पर तिरंगा यात्रापहुँची। यहां प्रतिभागियों ने नमन किया। इसके बाद यात्रा नगर पंचायत कार्यालय पहुँचकर संपन्न हुई तिरंगा यात्रा में बच्चों और बुजुर्गों नौजवानो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् और तिरंगे के सम्मान में गगनभेदी नारे गूंजते रहे इस मौके पर नीरज सिंह सेंगर ने कहा कि तिरंगा यात्रा शहीदों और महापुरुषों के बलिदान को याद कर उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। मण्डल अध्यक्ष राम महेश निषाद मंडल उपाध्यक्ष गौरव सिंह पीयूष चौहान पंडित साहिल आर्य सभासद प्रवीण गुप्ता अजय पासवान छोटे सिंह चंद्रपाल पासवान सोनू पासवान संतोष गुप्ता मनीष राज सविता त्यागी बाबा दुर्गा तिवारी बबलू राजपूत सहित हजारों लोग उपस्थित रहे। कस्बा इंचार्ज अंकुश यादव पुलिस बल के साथ तिरंगा यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

अज्ञात चोरों ने नगदी व मोबाइल सहित किया पार

खखरेरु फतेहपुर

खखरेरू कस्बा के वार्ड 13 सरोजनी नगर में जैतून बानो पत्नी अब्दुल सलाम के घर से बीस हजार नगदी , मोबाइल चश्मा अज्ञात चोरों ने चोरी कर फरार हो गया महिला अपने बहू के साथ घर पर रहती है ऊपर का दरवाजा खुला होने की वजह से चोरों ने नगदी सहित मोबाइल चश्मा चोरी कर फरार हो गए लगातार खखरेरू क्षेत्र में चोरी से दहशत में ग्रामीण लोगों में भय का माहौल बना है क्षेत्रवासी ने बताया कि बीते दिन कर्नल के घर पर चोरी का खुलासा नहीं हुआ जबकि भारतीय में नागपुर में तैनात है कर्नल पिता पूर्व प्रधान रह चुके है कर्नल के घर से 22 लाख की चोरी व लाइसेंसी बंदूक चोरों ने पार कर दिया था सीओ खागा बृजमोहन राय के नेतृत्व में टीम बनीं थी लेकिन आज तक चोरों का कोई सुराग नहीं चल पा रहा है। क्राइम क्राइम इंस्पेक्टर श्याम सुंदरयादव ने बताया कि जांच किया जा रहा है जल्द ही अभियुक्तों को पकड़ कर जेल के सलाखों में भेजा जाएगा

रत्नगिरि सेवा संस्थान द्वारा खाटू श्याम मंदिर निशातगंज में 50 पौधों का रोपण

आज दिनांक 10/8/25 को रत्नगिरि सेवा संस्थान द्वारा खाटू श्याम मंदिर निशातगंज में 50 पौधों का रोपण किया गया । गोमती किनारे एक खाली पड़े हिस्से को खूबसूरत सी बगिया में तब्दील कर दिया गया । संस्था द्वारा फल फूल व जडीबूटियों के पौधे रोपित किये गये । सबने मिलकर पौधों पर रक्षा सूत्र बाँधकर यह प्रण लिया कि आने वाले 6 माह तक इनकी पूरी देखभाल करेंगे जिससे ये प्रकृति के आँचल में सुरक्षित पनप सकें । संस्था विगत तीन वर्षों से सामाजिक कार्यो को लगातार अंजाम देती आ रही हैं ' संस्थागत जय शंकर बाजपेयी ,विजय हरि आर्य ,नीतू आर्य ,प्रीति मिश्रा,बीना श्रीवास्तव , प्रियंका तागंडी ,प्रतिभा तिवारी जी ,रीता सिन्हा उपस्थिति रही । मुख्य अतिथियों में शिखा सिंह पटेल, अरुण प्रताप सिंह ,धीरज गिहार ,अनीता सिंह, पूजा चंद्रा सम्मिलित रहे ।